परमेश्वर हमें चरवाहों को देता है

हमारे चरवाहे हमें एक दूसरे को प्रेम करने और एक दूसरे की सेवा करने में मदद करते हैं

प्रार्थनाः "हमारे पिता हम अपने मित्रों के लिये आपका धन्यवाद करते हैं जो यीशु को भी प्रेम करते हैं। सहायता कर कि हम एक दूसरों की सेवा करके आपकी सेवा कर सकें। यीशु के नाम में आमीन"।

लूका 15:1-7 में खोजें किस प्रकार ईश्वर मुक्त अगुवे उन लोगों की जो निर्बल या खोये हुए हैं उनकी देखभाल करते हैं।

लूका 15:1-7 अच्छे चरवाहे की **कहानी बतायें।** बड़े बच्चे या शिक्षक को अच्छे चरवाहे की कहानी बताने दें।

प्रश्नः बच्चों से ये प्रश्न पूछिये और इससे पहले कि आप उत्तर बतायें उन्हें बताने दें।

- वे कौनसे लोग थे जो यीशु की बात सुनना चाहते थे? (वर्णन करें कि जब यीशु पृथ्वी पर थे तो चुंगी लेने वाले सबसे खराब लोग थे)
- वे कौन लोग थे जो यीशु से डाह करते थे और अक्सर उसके विषय बुरी बातें कही? (बयान करें कि फरीसी लोग बाहरी तौर से धर्मिक थे क्यों वे चाहते थे कि लोग उनकी प्रशंसा करें पर अन्दर से अपने हृदयों में वे बुरे थे)
- जब चरवाहे ने भेड़ों को गिना तब कितनी कम थी?
- चरवाहे ने खोई हुई भेड़ के विषय क्या किया?
- जब चरवाहे को खोई हुई भेड़ मिल गई तो उसने पड़ोसियों और मित्रों के साथ क्या किया?

खोई हुई भेड़ की कहानी को नाटक रूप दें। इसका अराधना के बीच बड़ों के सामने प्रस्तुत करें।

- बड़े बच्चों या वयस्कों को चरवाहे की भूमिका करने दें।
- बाकी बच्चे पड़ोसी बने (दो) भेड़ें और खोई हुई भेड़ बने। वे भेड़ों की तरह आवाज़ निकालते "बा...आ...आ" और हाथ के बल चलते हैं।

चारवाहा, भेड़े और खोई हुई भेड़ः कमरे के एक तरफ से दूसरी ओर धीरे-धीरे जायें।

खोई हुई भेड़ः पीछे छूट जाती है, तब अचानक रेंगते हुए दृष्टी से ओझल हो जाती है।

चरवाहाः अपनी भेड़ों को देखता है जब धीरे खामोशी में एक एक तो गिनता है तब संकेत करता है। और चिल्लाता है, "ओह नहीं! एक कम है!"

(आसपास देखता है और लोगों के बीच जाता है, उनकी कुर्सियों के पीछे खोजता है और भेड़ को बुलाता है)

पड़ोसीः (चिल्लाते हैं) "तुम क्या ढूंढ़ रहे हो?"

चरवाहाः "मेरा एक छोटा मेम्ना खो गया है, मुझे उसे ढूंढ़ना है!" अन्त में उस ओर जाता है जहाँ खोई भेड़ चली गई और वापस लाता है (यदि सम्भव हो तो उठाकर लाता है) आनन्द से पड़ोसियों से कहता है, "भेड़ जो खो गई थी मैंने उसे पा लिया है। आओ मेरे साथ आनन्द मनाओ!"

पड़ोसीः जोर से खुशी में चिल्लाते हैं और चरवाहे के साथ जाते हैं।

- बच्चों ने जो इस कहानी पर प्रश्न तैयार किया हैं बड़ों वयस्कों से पूछने दें। वे वही प्रश्न पूछ सकते हैं जो प्रश्नो के अन्तर्गत ऊपर सूचि में दिये गये हैं।

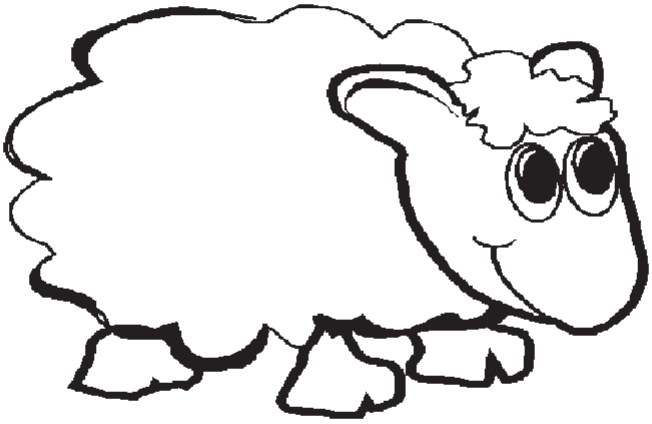

एक भेड़ की तस्वीर बनाओ। बच्चों को अपनी तस्वीर बड़ों को दिखाने दें और बतायें कि हम परमेश्वर की भेड़ें है और यीशु अच्छा चरवाहा है जिसने हमारे लिये अपना जीवन दे दिया।

कविता: भजन 78 की आयतों 2, 4, 52 और 72 के तीन भागों को चार बच्चे बालें या अराधना के समय बड़ों के लिये गायें।

मैं अपना मुंह नीतिवचन कहने के लिये खोलूंगा
मैं प्राचीन काल की गुप्त बातें कहूंगा।
उन्हें हम उनकी सन्तान से गुप्त न रखेंगे, परन्तु होनहार पीढ़ी के लोगों से यहोवा का गुणानुवाद
और उसकी सामर्थ और आश्चर्य कर्मो का वर्णन करेंगे।
परन्तु अपनी प्रजा को भेड़ बकरियों की नाई बयान कराया।
और जंगल में उनकी अगुवाई पशुओं के झुन्ड की सी की।
जब उसने खरे मन से उनकी चरवाही की
और अपने हाथ की कुशलता से उनकी अगुवाई की।

खोये हुए सिक्के को प्रगट करो।

- एक बड़े बच्चे को लूका 15:8-10 पढने दें। इसी समय एक लड़की कमरे में चलती है और ऐसा दिखाती मानो कुछ खो गया उसे ढूंढ़ती है
- जब पढ़ना समाप्त हो गया तो लड़की को एक झाड़ू मिलती और उससे वह झाड़ती है।
- अचानक उसे सिक्का मिल जाता है, झाड़ू पटक कर वह आनन्द से उछल पड़ती है।

यूहन्ना 10:37 कंठस्त करो। बड़े बच्चे यूहन्ना 10:27 एवं 28 कंठस्त करें।

प्रार्थना: "पिता एक दूसरे की देखभाल करने और जिस प्रकार चरवाहे भेड़ों की देखभाल करते हमें भी एक दूसरे की देखभाल करने में सहायता कर।"